संपादकीय

सियासी फिल्मों का टोटा

विजय र ाकर गुट्टे के निर्देशन में बनी फिल्म 'द एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर' भले ही कुछ वास्तविक राजनीतिक संदर्भों को लेकर चर्चा में हो, लेकिन दर्शकों को यह कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाई है। जैसा कि अंदेशा था, फिल्मकार का मकसद फिल्म बनाने से ज्यादा एक सियासी प्रचार को स्थापित करने का है। फिल्म इसी शीर्षक वाली संजय बारू की किताब पर आधारित है। पत्रकार संजय बारू पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रह चुके हैं। फिल्म दिखाती है कि पीएम के रूप में मनमोहन सिंह किस कदर लाचार थे और सारे अहम फैसले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके इर्द-गिर्द के लोग लिया करते थे। किताब की मूल प्रस्थापना में भी यह बात शामिल है, लेकिन फिल्म में इसे कुछ ज्यादा ही खींच दिया गया है। इस प्रस्थापना का राजनीतिक लाभ एक खास धारा द्वारा ही उठाया गया है, जो अभी सत्ता में है। लिहाजा एकबारगी संदेह होता है कि कहीं यह फिल्म सत्ता पक्ष को संतुष्ट करने के लिए ही तो नहीं बनाई गई। फिल्म अगर सिनेमा के मानदंडों पर खरी उतरती तो सारे संदेहों के बावजूद इसे सराहना मिलती। पर दुर्भाग्यवश ऐसा हो नहीं सका। जो भी हो, इस फिल्म से भारत में राजनीतिक सिनेमा की संभावनाओं और कठिनाइयों पर एक बहस तो छिड़ ही गई है। इधर बॉलिवुड में बायोपिक का चलन बढ़ा है। कई खिलाड़ियों, फिल्म सितारों, बड़े कारोबारियों और अपराधियों के जीवन पर फिल्में बनीं और हिट भी हुईं। इससे एक बात तो साबित हो चुकी है कि हमारा दर्शक वर्ग अब परिप[हो चला है। अपने बीच के किसी व्यक्ति का जीवन-संघर्ष उसे पेड़ों के इर्द-गिर्द नाचते हीरो-हिरोइनों के इर्दगिर्द बुनी परीकथाओं से ज्यादा आकृष्ट कर रहा है। ऐसे में एक राजनेता के जीवन को करीब से देखना भी उसे अच्छा लगेगा, बशर्ते यह अपने समूचे राग-विराग के साथ उपस्थित हो, केवल निंदा या प्रशंसा की सपाट कूची से इसे न रचा गया हो। यह सचमुच दुखद है कि राजनीतिक फिल्मों का अकाल हमारे यहां शुरू से ही दिखता है। जो दो-चार फिल्में बनी हैं उनमें सबसे ज्यादा चर्चा 1975 में गुलजार के निर्देशन में आई 'आंधी' की होती है। लेकिन वह इंदिरा गांधी की बायोपिक नहीं, उनके जीवन की परछाईं भर है। दरअसल राजनेताओं के जीवन को केंद्र में रखकर फिल्म बनाना खुद में एक बड़ा जोखिम है। भारतीय जनतंत्र अभी इतना उदार नहीं हुआ है कि राजनेताओं की आलोचना को सहजता से ले। हर नेता किसी न किसी समुदाय का नायक है। अपने समूह के भीतर उसकी एक ईश्वरीय छवि है, जो उसके जेल चले जाने पर भी अक्षुण्ण रहती है, लेकिन सिनेमा के पर्दे पर जरा भी दाएं-बाएं होते ही दरकने लगती है। बहरहाल, यह तो आगे की बात है। अभी तो सबसे बड़ी जरूरत एक अदद ऐसी दिलचस्प किताब या रि प्ट की है, जिसका मकसद राजनीति को करीब से देखना हो, किसी खास धड़े की राजनीति का चारा बनना नहीं।

लोकसभा चुनाव 2019 : बीजेपी सरकार उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में 2 या 3 सिलिंडर मुफ्त देने का कर सकती है एलान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2019 में मोदी मैजिक एक बार फिर दोहराया जाएगा या नहीं यह सवाल सबके जहन में है.केंद्र की बीजेपी एक बार फिर 2014 का इतिहास दोहराना चाहेगी. इसके लिए मोदी सरकार अपने योजनाओं से लाभ लेने से भी पीछे नहीं हट रही. गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन देने की योजना,उज्ज्वला योजना को मोदी सरकार अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती है.माना जा रहा है कि बजट में भी इसको लेकर कुछ एलान किया जा सकता है.राजनीतिक

विश्लेषकों का भी मानना है कि इस योजना ने बीजेपी को उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सियासी फ़ायदा पहुंचाया है.लेकिन एक शिकायत अक्सर मिलती रही है कि योजना के तहत पहला सिलिंडर लेने के बाद ग़रीबों के लिए अपने पैसों से अगला भरा हुआ सिलिंडर लेना मुश्किल होता है.सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जहां सामान्य लोग साल में 7 सिलिंडर का इस्तेमाल करते हैं वहीं उज्ज्वला के लाभार्थी केवल 3.8 सिलिंडर प्रति साल ही इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में कहा जा रहा है कि सरकार इन लाभार्थियों के लिए साल में 2 या 3 सिलिंडर मुफ्त देने का भी एलान कर सकती है. अभी हाल ही में सरकार ने 6 करोड़ लोगों को उज्ज्वला के तहत गैस कनेक्शन देने में कामयाबी हासिल की है. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर सिलिंडर मुफ्त देने का एलान होता है तो इसका फायदा सीधे बीजेपी को ही मिलेगा. वहीं लोकसभा चुनाव के लिए ये सरकार का मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकती है.

पीएफ पर ब्याज दर बढ़ी, देश के 6 करोड़ खाता धारकों को होगा फायदा

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने आम आदमी को एक और बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने पीएफ समेत 10 भविष्य निधियों पर तीन महीने का ब्याज घोषित कर दिया है। इसमें अब जमा धन पर 8 फीसदी ब्याज मिलेगा। ईपीएफओ की अधिसूचना के मुताबिक नई दरें पहली जनवरी से लागू होंगी। इसका सीधा फायदा देश के छह करोड़ खाताधारकों को होगा।

केंद्र सरकार बीती तिमाही से पहले 7.8 फीसदी ब्याज दे रही थी। अब नई अधिसूचना के मुताबिक पहली जनवरी से 31 मार्च 2019 तक पीएफ समेत दस भविष्य निधियों पर 8 फीसदी ब्याज मिलेगा। ईपीएफओ ने सभी विभागों को नोटिस जारी कर साफ कर दिया है कि यह ब्याज बीती तिमाही के बराबर ही जारी रखा गया है लेकिन जमा धन पर उससे पहले ब्याज .2 फीसदी से कम मिलेगा। ईपीएफओ जल्द देगा यह तोहफा- इसके साथ ही ईपीएफओ जल्द एक और बड़ा फैसला कर सकता है। इसके तहत अंशधारकों को अपने कोष से शेयर बाजार में किए जाने वाले निवेश को बढ़ाने या घटाने का विकल्प मिल सकता है। ईपीएफओ इसके अलावा कई अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ और कोष के प्रबंधन के डिजिटल सा धन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा सकता है।

वर्तमान में ईपीएफओ खाताधारकों के जमा का 15 प्रतिशत तक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करता है।

सस्ता सोना खरीदने का मौका, ऑनलाइन पेमेंट पर 50 रुपए प्रति ग्राम डिस्काउंट

नई दिल्ली। मकर संक्रांति के मौके पर सोना खरीदने का अच्छा मौका है. सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की नई सीरीज लॉन्च कर रही है, जिसमें आप 14 जनवरी से लेकर 18 जनवरी तक पैसे लगा सकते हैं. इस दौरान आप 3,214 रुपए प्रति ग्राम सोना खरीद सकते हैं. सॉवरेन गोल्ड स्कीम 2018-19 सीरीज के लिए ऑनलाइन आवेदन व भुगतान करने वाले निवेशकों को 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट दी जाएगी. इसके अलावा कई ऐसी खास बाते हैं, जो आपके लिए जानना जरूरी हैं.

क्या है यह स्कीम

सरकारी गोल्ड बॉन्ड योजना नवंबर 2015 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य सोने की फिजिकल डिमांड को कम करना है. बॉन्ड में न्यूनतम निवेश एक ग्राम है. घर में सोना खरीदकर रखने की बजाय अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करते हैं, तो आप टैक्स भी बचा सकते हैं. इस योजना में सोने की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं होती.

ऑस्ट्रेलिया ने कोहली को लगातार 3 पारियों में एक ही तरीके से किया आउट

सिडनी। विराट कोहली मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वे मौजूदा क्रिकेटरों में एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिसने 50 से अधिक इंटरनेशनल शतक (63) जमाए हुए हैं. विराट साल 2018 में वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले क्रिकेटर रहे. लेकिन लगता है कि ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय कप्तान कोहली की कमजोरी ढूंढ़ ली है. उसने विराट कोहली को पिछली तीन पारियों में एक ही तरीके से आउट किया है. विराट कोहली ने शनिवार (12 जनवरी) को सिडनी में खेले गए वनडे मैच में महज तीन रन बनाकर आउट हुए. वैसे यह कोई ज्यादा चिंता की बात नहीं है कि वे जल्दी आउट हो गए.

बढ़ रही पेट्रोल-डीजल की कीमतें, आपकी जेब पर पड़ा इतना असर

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में पिछले चार दिनों से बढ़ोतरी हो रही है. पिछले चार दिन में पेट्रोल करीब सवा रुपए तो डीजल करीब डेढ़ रुपए महंगा हो चुका है. महंगे पेट्रोल-डीजल की ये डोज अगले कुछ और दिन तक जारी रह सकती है. कीमतें बढ़ने का कारण है कच्चे तेल का महंगा होना जिसके दाम 27 दिसंबर से लगातार बढ़ रहे हैं. फिलहाल कच्चे तेल की कीमतें 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं. अगर यहां से कच्चे तेल की कीमतें एक दो डॉलर और ऊपर जाती हैं, तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी एक से दो रुपए का इजाफा हो सकता है.

ब्रह्मदत्त बने यस बैंक के अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली। पूर्व नौकरशाह ब्रह्मदत्त को यस बैंक का अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर चार जुलाई 2020 तक बने रहेंगे। कंपनी के अनुसार, ब्रह्मदत्त बतौर स्वतंत्र निदेशक जुलाई 2013 से यस बैंक के बोर्ड में रहे हैं और उन्होंने इस दौरान तकरीबन सभी उप-समितियों में योगदान दिया है। वह वर्तमान में नियोजन और पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, भारतीय रिजर्व बैंक ने उनको चार जुलाई 2020 तक के लिए यस बैंक के बोर्ड के अंशकालिक अध्यक्ष नियुक्त किए जाने को मंजूरी प्रदान की है।

जानिए! मकर संक्रांति पर कटी हुई पतंग का घर में गिरना शुभ होता है या अशुभ

मकर संक्रांति पर कई जगहों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है, लोग इस दिन दान, पुण्य के साथ ही जमकर पतंगबाजी भी करते हैं। सुबह से ही लोग अपनी छतों पर पहुंच जाते हैं और हाथ में पतंग डोर लेकर अपनी पतंग को सबसे ऊंची करने में लग जाते हैं। इसके साथ ही सभी एक दूसरे की पतंग को काटकर खुश होते हैं। वहीं कुछ लोग पतंग उडाने के साथ ही पतंग लूटने का भी मजा लेते हैं। पतंग उडाने की परंपरा भारत के अलावा दूसरे देशों में भी है इन्हीं में से एक है चीन, मकर संक्रांति के अवसर पर किसी घर में पतंग कटकर आना चीन में सुख - समृद्धि का सूचक माना जाता है। चीन में पतंग को लेकर कुछ धार्मिक मान्यताएं भी हैं, यहां की मान्यताओं के अनुसार, पतंगों की डोर वह जरिया है जो पृथ्वी को स्वर्ग से मिलाती है। चीन के लोगों का मानना है कि अगर पतंग को ऊंची कर उसे आसमान में उड़ने के लिए छोड़ दिया जाए तो पतंग छोड़ने वाले का दुर्भाग्य पतंग के साथ आसमान में गुम हो जाता है और यदि कोई कटी हुई पतंग उनके घर में प्रवेश करती है तो यह उनके लिए बहुत ही शुभ संयोग होता है, इसी कारण यहां पतंग को सुख - समृद्धि का सूचक माना जाता है।

इंटरनेशनल क्रिकेट वापसी में स्टीव स्मिथ की हो सकती है देरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के निलंबित कप्तान स्टीव स्मिथ का कोहनी में चोट लगने के कारण बांग्लादेश प्रीमियर लीग के बाद पाकिस्तान सुपर लीग में खेलना भी संदिग्ध है। स्मिथ ने पीएसएल के छठी फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तान्स से यूएई में खेले जाने वाले मैचों के लिए करार किया है लेकिन चोट के बाद उन्हे छह सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ पर गेंद से छेड़छाड के आरोप के बाद एक साल का प्रतिबंध लगाया था जो मार्च में खत्म होगा। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में कोमिला विक्टोरियन्स की ओर से खेलते हुए वह अपनी कोहनी को चोटिल कर बैठे। स्मिथ को कोहनी की सर्जरी की सलाह दी गई है। बता दें कि इस चोट और सर्जरी की वजह से स्मिथ के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने की संभावना कम दिखाई दे रही है।

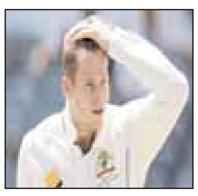

बार्कले दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ी

नई दिल्ली। अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) में खेलने वाले सेक्वोन बार्कले दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ी हैं। एनएफएल टीम न्यूयॉर्क जाएंट्स के बार्कले टॉप-25 फिट पुरुष खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर हैं। 21 साल के बार्कले ने फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फिटनेस के मामले में पीछे छोड़ दिया है। पिछले साल टॉप पर रहने वाले 33 साल के रोनाल्डो इस बार दूसरे नंबर पर हैं। अमेरिका की स्पोर्ट्स मैगजीन स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड ने 2018 के सबसे फिट खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है।

अमेरिका की जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स महिलाओं में नंबर वन पर हैं।

21 साल की बाइल्स लगातार दूसरे साल दुनिया की सबसे फिट महिला खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में भारत से एक भी खिलाड़ी नहीं है। साथ ही क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी आदि खेलों का भी कोई खिलाड़ी नहीं हैं। अगर, पुरुषों की टॉप 25 खिलाड़ियों की लिस्ट में 20 खेलों के खिलाड़ी हैं।

आज का राशिफल

मेषः लक्ष्मीजी की कृपा आप पर बरसेगी, ऐसा गणेशजी कहते हैं। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। विवाह का आयोजन सफलतापूर्वक होगा लेकिन मध्याह्न के बाद आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृषभः आज का दिन शुभफलदायी है। व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आपके कार्य की प्रशंसा भी होगी। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य भी सरलतापूर्ण संपन्न होंगे और लाभ भी होगा। दांपत्य जीवन में आमोद-प्रमोद छाया रहेगा।

मिथुनः प्रतिस्पर्धियों और उच्च अधिकारियों के साथ वाद-विवाद न करने की गणेशजी की सलाह है। आमोद-प्रमोद से संबंधित वस्तुओं को खरीदने में खर्च अधिक होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण अच्छा रहेगा।

कर्कः अनैतिक कार्य और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की गणेशजी की सलाह है। वाणी पर संयम रखें। परिवार में तकरार ना हो, इसका ध्यान रखें। मध्याह्न के बाद विदेश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंहः स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप प्रसन्न रहेंगे। मित्रों तथा संबंधियों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनाएंगे। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारों के साथ चर्चा सकारात्मक होगी।

कन्याः आपके स्वभाव में आज कुछ अधिक संवेदनशीलता रहेगी। कार्य सफलता से प्रफुल्लित रहेंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

तुलाः अपनी बौद्धिक शक्ति से आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसलिए यात्रा को टाल दें। आकस्मिक खर्च के योग हैं। मध्याह्न के बाद कार्य-सफलता मिलने से मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिकः आज विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। स्वभाव में हठीलापन छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो अनेक समस्याओं का छुटकारा मिलेगा। नए वस्त्राभूषण तथा प्रसाधन के पीछे धन का खर्च अधिक होने की आशंका है।

धनुः शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आज बना रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन बनेगा। मित्रों के साथ समय का आनंदपूर्वक सदुपयोग हो जाएगा।

मकरः आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। धार्मिक कार्यों और उपासना के पीछे धन का खर्च हो सकता है। मध्याह्न के बाद आपका मन प्रफुल्लता का अनुभव करेगा।

कुंभः आज आध्यात्मिक विषयों की तरफ झुकाव अधिक रहेगा। शारीरिक प्रफुल्लता और मानसिक प्रसन्नता दिनभर बनी रहेगी। मध्याह्न के बाद आप धार्मिक कार्यों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मीनः धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय सावधानी बरतें, ऐसा गणेशजी कहते हैं। किसी के भी कार्य में विघ्न न डालें। वाणी और ोध पर संयम बरतें।

ऐसे बनाइए तिल रेवड़ी

लोहड़ी का त्योहार एक-दूसरे से मिलने-मिलाने और खुशियां बांटने का त्योहार है. यह मकर सं ांति के एक दिन पहले आता है. यह खासतौर पर पंजाब में बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है और इस दिन कई तरह के पकवान भी बनाए जाते हैं जिनमें से एक है तिल रेवड़ी.

एक नज़र

रेसिपी क्विज़ीन : इंडियन

कितने लोगों के लिए : 2 4

समय : 15 से 30 मिनट

मील टाइप : वेज

आवश्यक सामग्री

आधा कप भुना तिल (सफेद)

एक कप चीनी

आधा कप पानी

दो चम्मच कॉर्न सिरप

एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर

आधा छोटा चम्मच नींबू का रस

आधा छोटा चम्मच केवड़ा एसेंस

बेकिंग या सिलिकॉन मैट

विधि- रेवड़ी बनाने के लिए सबसे पहले नॉन स्टिक पैन गरम करने के लिए रखें. पैन के गरम होते ही इसमें चीनी और पानी डालकर चलाएं.इसके बाद इसमें कॉर्न सिरप मिलाएं. लगातार चलाते रहें जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए. मिश्रण के गाढ़ा होते ही इसमें इलायची पाउडर और नींबू का रस मिलाएं. खुशबू के लिए केवड़ा एसेंस भी डालें. मिश्रण के और भी गाढ़ा होने पर भुना तिल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और आंच बंद कर दें. तिल के मिश्रण को थोड़ा ठंडाकर इसे बेकिंग मैट या सिलिकॉन मैट पर फैलाएं. जब यह पूरी तरह से ठंडा हो जाए तब इसे गूंद लें और छोटे-छोटे गोलाकार में रेवड़ी बना लें.अब इसे दोबारा एक प्लेट में रखे सफेद तिल पर रोल कर लें. तैयार है लोहड़ी स्पेशल तिल रेवड़ी.

नोटः

अगर आप बिना कॉर्न सिरप के बना रहे हैं तब दो तार की चाशनी जरूर बनाएं.

शब्द सामर्थ्य-47

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 46 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू-47

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.46 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6